CEDSI
CENTRE OF EXCELLENCE FOR DAIRY SKILLS IN INDIA

+91 7428706078
info@cedsi.in

CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

मध्य प्रदेश डेयरी फेडरेशन ने गुणवत्ता बढ़ाने के लिए NDDB के साथ साझेदारी की

मध्य प्रदेश राज्य सहकारी डेयरी फेडरेशन (MPCDF) ने राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB) के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह महत्वपूर्ण साझेदारी तकनीकी विशेषज्ञता और सहायता के आदान-प्रदान को सुगम बनाने के लिए बनाई गई है, जिसका उद्देश्य डेयरी गुणवत्ता में सुधार करना और राज्य भर में दूध संयंत्रों की परिचालन क्षमताओं का अनुकूलन करना है।

MoU गुणवत्ता सुधार उपायों को आगे बढ़ाने और डेयरी संचालन की दक्षता बढ़ाने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इसके अतिरिक्त, सहयोग से ग्वालियर और जबलपुर दूध संघों के पुनरुद्धार में सहायता मिलने की उम्मीद है, जिन्हें हाल के वर्षों में चुनौतियों का सामना करना पड़ा है।

NDDB की उन्नत तकनीकों और रणनीतियों को एकीकृत करके, MPCDF दूध उत्पादन के समग्र मानकों को ऊपर उठाना चाहता है, उपभोक्ताओं के लिए बेहतर गुणवत्ता वाले उत्पाद सुनिश्चित करना और राज्य के भीतर अधिक मजबूत डेयरी संचालन सुनिश्चित करना चाहता है।

दुद्रान की चिरस्थायी डेयरी परंपरा प्राचीन तकनीकों के माध्यम से संरक्षित है

जम्मू-कश्मीर के बारामुल्ला जिले के दुद्रान में डेयरी फार्मिंग पीढ़ियों से चली आ रही एक प्रिय परंपरा है। बोनियार से सिर्फ 14 किमी दूर दुद्रान के 70 परिवार सदियों से चली आ रही विधियों का उपयोग करके डेयरी फार्मिंग करते हैं। इस परंपरा का केंद्र है डौड खोट, पत्थरों और लकड़ी से बना एक पारंपरिक शीतलन प्रणाली, जो बिजली के बिना डेयरी उत्पादों को ताजा रखने के लिए प्राकृतिक झरनों का उपयोग करती है ।

यह प्राचीन तकनीक दूध को वन्यजीवों से भी बचाती है। डेयरी किसान जहूर अहमद लोन इन समय-सम्मानित विधियों का उपयोग करके उच्च गुणवत्ता वाले दूध, पनीर, मक्खन और दही का उत्पादन करने के दुद्रान के समर्पण के बारे में गर्व से बात करते हैं।

50 वर्षीय फातिमा बीबी दूध की उत्कृष्ट गुणवत्ता का श्रेय गांव के हरे-भरे चरागाहों को देती हैं, जहां प्रति घर रोजाना 10-15 लीटर दूध मिलता ।

सुमुल डेयरी को भारतीय डेयरी संघ द्वारा 'सर्वश्रेष्ठ डेयरी प्लांट' का सम्मान मिला

सुमुल डेयरी के प्रबंध निदेशक अरुण एच. पुरोहित ने भारतीय सहकारिता को एक व्हाट्सएप संदेश के माध्यम से इस सम्मान की घोषणा की, जिसमें उन्होंने पश्चिमी क्षेत्र में इस सम्मान को प्राप्त करने वाले पहले व्यक्ति के रूप में अपनी उपलब्धि का जश्न मनाया। इस पुरस्कार में सुमुल डेयरी की नवीपारडी इकाई को शामिल किया गया है, जिसने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले डेयरी प्लांट के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। पुरस्कार के लिए मुख्य मानदंडों में 5 एलएलपीडी की दूध संयंत्र क्षमता, नए उत्पाद विकास में 27% की वृद्धि, ऊर्जा संरक्षण और समग्र क्षमता उपयोग शामिल थे।

सूरत जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ, जिसे सुमुल डेयरी के नाम से जाना जाता है, को भारतीय डेयरी संघ (आईडीए) द्वारा पश्चिमी क्षेत्र के लिए 'सर्वश्रेष्ठ डेयरी प्लांट' के रूप में सम्मानित किया गया है। पुरस्कार समारोह 17 अगस्त, 2024 को नागपुर में आयोजित किया जाएगा, जिसमें केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी मुख्य अतिथि होंगे।

सुमुल डेयरी अपने दूध के उचित मूल्य सुनिश्चित करके डेयरी किसानों की आजीविका को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

21वीं पशुधन जनगणना सितंबर में शुरू होगी: विशाखापत्तनम में क्षेत्रीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया

केंद्र सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग ने 21वीं पशुधन जनगणना की शुरुआत की घोषणा की है, जो सितंबर और दिसंबर 2024 के बीच होगी। इस महत्वपूर्ण कार्य की तैयारी के लिए बुधवार को विशाखापत्तनम में कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के राज्य और जिला नोडल अधिकारियों के लिए एक क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य तीन राज्यों के 150 से अधिक प्रगणकों को जनगणना के लिए डिज़ाइन किए गए नए मोबाइल और वेब एप्लिकेशन से परिचित कराना था। इन उपकरणों से डेटा संग्रह को सुव्यवस्थित करने और सटीकता बढ़ाने की उम्मीद है।

अकेले आंध्र प्रदेश में, 1.38 लाख घरों को कवर करने के लिए लगभग 6,500 प्रगणकों को तैनात किया जाएगा, जिससे पूरे राज्य में व्यापक और विस्तृत डेटा संग्रह सुनिश्चित होगा। पशुधन आबादी का आकलन करने, पशुपालन प्रथाओं में सुधार करने और इस क्षेत्र का समर्थन करने के लिए नीतियां तैयार करने के लिए जनगणना महत्वपूर्ण है।

प्रशिक्षण सत्रों में सटीक डेटा प्रविष्टि और गणना प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग के महत्व पर भी जोर दिया गया। यह पहल पशुधन प्रबंधन को आगे बढ़ाने तथा बेहतर निर्णय लेने के लिए अद्यतन जानकारी सुनिश्चित करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सिक्किम ने पशुधन स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के लिए 'ए-हेल्प' कार्यक्रम शुरू किया

पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा मंत्री श्री पूरन कुमार गुरुंग ने कल चिंतन भवन, गंगटोक में 'ए-हेल्प' (पशुधन उत्पादन के स्वास्थ्य एवं विस्तार के लिए मान्यता प्राप्त एजेंट) कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में ग्रामीण विकास विभाग की सलाहकार श्रीमती कला राय भी शामिल हुईं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पशुपालकों और विभाग के बीच की खाई को पाटना तथा पशुधन स्वास्थ्य एवं विस्तार सेवाओं को बढ़ाना है।

अपने संबोधन में गुरुंग ने इस बात पर जोर दिया कि ए-हेल्प पशुधन उत्पादकता में सुधार लाने और महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिससे ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। उन्होंने विस्तार सेवाओं में अंतराल को दूर करने और बेहतर पशुधन प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम की क्षमता पर प्रकाश डाला।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग (डीएएचडी) की सचिव श्रीमती अलका उपाध्याय ने एक वीडियो संदेश के माध्यम से इस पहल का समर्थन किया, जिसमें ए-हेल्प कार्यकर्ताओं को किसानों को लक्षित सहायता प्रदान करके पशुधन क्षेत्र के विकास में सहायता करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

सिक्किम के पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा सचिव डॉ. शरमन राय ने कहा कि ए-हेल्प एजेंट रोग नियंत्रण, पशुओं की टैगिंग और पशुधन बीमा पर ध्यान केंद्रित करेंगे। यह कार्यक्रम, जो पहले से ही 12 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में लागू है, पशुपालन गतिविधियों के लिए एनआरएलएम के एसएचजी प्लेटफॉर्म का लाभ उठाता है। पशु सखियों को विशेष ए-हेल्प किट वितरित किए गए, जिन्हें कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित और मान्यता दी जाएगी। इस कार्यक्रम में 500 से अधिक प्रगतिशील किसानों और पशु सखियों ने भाग लिया।

पुडुचेरी सरकार ने 2024 के लिए महत्वाकांक्षी दूध खरीद लक्ष्य निर्धारित किया

पुडुचेरी सरकार ने चालू वित्त वर्ष के लिए एक महत्वपूर्ण लक्ष्य की घोषणा की है, जिसका लक्ष्य सहकारी दूध उत्पादक समितियों से 2.34 करोड़ लीटर दूध खरीदना है। यह पहल डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा देने और स्थानीय मांग को पूरा करने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले दूध की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने की सरकार की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

इस उद्देश्य के अनुरूप, 2024 के बजट में खरीदे गए दूध के मूल्य के आधार पर 5% का प्रस्तावित प्रोत्साहन शामिल है। यह प्रोत्साहन दूध उत्पादन को बढ़ाने और डेयरी फार्मिंग में शामिल सहकारी समितियों की वित्तीय स्थिरता को बढ़ाने के लिए बनाया गया है।

सरकार की खरीद योजना से स्थानीय डेयरी किसानों को उनके उत्पाद के लिए एक विश्वसनीय बाजार प्रदान करके समर्थन मिलने की उम्मीद है, जिससे पुडुचेरी में डेयरी उद्योग के विकास को बढ़ावा मिलेगा। इस खरीद लक्ष्य को निर्धारित करके, सरकार का लक्ष्य न केवल दूध की गुणवत्ता और उपलब्धता में सुधार करना है, बल्कि सहकारी डेयरी क्षेत्र को भी मजबूत करना है, जिससे उत्पादकों और उपभोक्ताओं दोनों को लाभ होगा।

पंजाब एनजीटी के जुर्माने का उपयोग मवेशियों के गोबर के पर्यावरण प्रबंधन के लिए करेगा

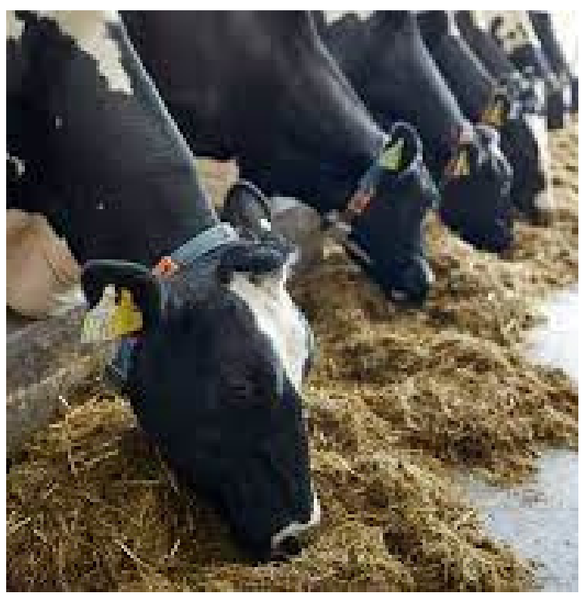

पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीपीसीबी) राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा लगाए गए जुर्माने से प्राप्त धनराशि का उपयोग करके मवेशियों के गोबर के पर्यावरण प्रबंधन को बढ़ावा देने की पहल की अगुवाई कर रहा है। एनजीटी ने सतलुज और ब्यास नदियों को प्रदूषित करने के लिए 2018 में पंजाब सरकार पर 50 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। पीपीसीबी ने इस जुर्माने से 63 लाख रुपये वर्मीकंपोस्टिंग के माध्यम से मवेशियों के गोबर के प्रबंधन को बढ़ाने के लिए आवंटित करने की योजना बनाई है - एक ऐसी प्रक्रिया जिसमें बायोडिग्रेडेबल कचरे को केंचुओं का उपयोग करके जैविक खाद में परिवर्तित किया जाता है।

इस पहल को लागू करने के लिए, पीपीसीबी ने पंजाब भर की गौशालाओं और डेयरी फार्मों से आवेदन आमंत्रित करते हुए रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) जारी की है। बोर्ड चयनित आवेदकों को तकनीकी और वित्तीय सहायता दोनों प्रदान करेगा। इस कदम का उद्देश्य डेयरी फार्मों और गौशालाओं से मवेशियों के गोबर और मूत्रालय अपशिष्ट जल के अनुचित निपटान से उत्पन्न पर्यावरणीय चुनौतियों का समाधान करना है।

पीपीसीबी के अध्यक्ष डॉ. आदर्श पाल विग ने इस बात पर जोर दिया कि यह पहल न केवल पर्यावरण संबंधी मुद्दों को संबोधित करती है, बल्कि इस क्षेत्र में उद्यमिता को बढ़ावा देने की क्षमता भी रखती है। उन्होंने कहा, "हम वित्तपोषण और तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। अगर हमें सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलती है, तो शुरुआती 63 लाख रुपये से अधिक अतिरिक्त धनराशि आवंटित की जा सकती है।"

ईओआई इस बात पर जोर देता है कि मवेशियों के गोबर के निपटान में चुनौतियां तो हैं, लेकिन उचित प्रबंधन तकनीकों के साथ इसे ऊर्जा और उर्वरकों सहित मूल्यवान संसाधनों में बदला जा सकता है।

सीईएएसआई गतिविधियां और उपलब्धियां

सीईएएसआई और नुजिवीडू सीड्स हरियाणा में डायरेक्ट सीडेड राइस धान तकनीक को बढ़ावा दे रहा है

सेंटरस ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर एग्रीकल्चर स्किल्स इन इंडिया (CEASI) और नुजिवीडू सीड्स लिमिटेड हरियाणा में डायरेक्ट सीडेड राइस (DSR) तकनीक को अपनाने की अगुआई कर रहे हैं, जिसकी शुरुआत सोनीपत और पानीपत में जागरूकता कार्यक्रमों से हुई है। DSR 40% तक पानी बचाकर, 50% तक श्रम कम करके और कम ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के माध्यम से स्थिरता को बढ़ाकर एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण प्रदान करता है। यह अभिनव विधि कृषि के लिए एक हरित भविष्य का समर्थन करती है। जैसा कि हम DSR को अपनाते हैं, आइए हम मिलकर "डायरेक्ट सीडेड राइस के साथ स्थिरता के बीज बोएँ - अधिक उगाएँ, अधिक बचाएँ और अपने ग्रह का पोषण करें!"

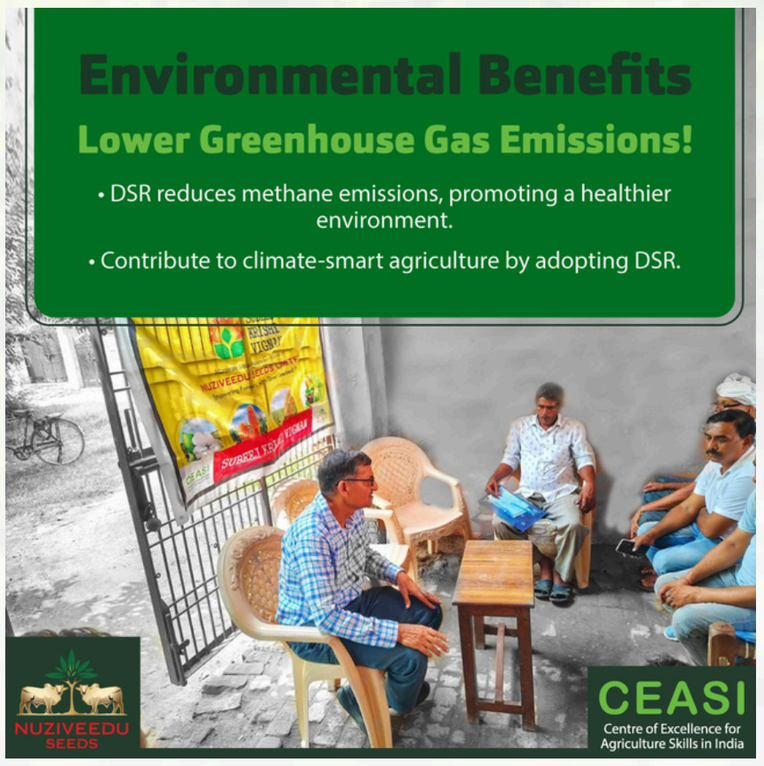

हम कौन हैं?

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई) "सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर एग्रीकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएएसआई)" के तहत काम कर रहा है, यह एक स्वायत्त संगठन है जो "**एग्रीकल्चर स्किल कौंसिल ऑफ़ इंडिया (ASCI)**" के तत्वावधान में काम कर रहा है। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के संगठित और असंगठित क्षेत्रों में लगे किसानों, वेतनभोगी श्रमिकों, स्व-रोज़गार पेशेवरों, विस्तार श्रमिकों आदि के कौशल और क्षमता निर्माण के लिए **कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई**) के तहत काम करना।

सीईएएसआई कृषि के विभिन्न उप-क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्रों का एक शीर्ष संगठन है।

- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर हॉर्टिकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएचएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर फार्म मेकेनिज़शन स्किल्स इन इंडिया (सीईएफएमआई)

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।

+91 7428706078

info@cedsi.in

www.cedsi.in Follow us on Facebook Cedsi Dairyskills Follow us on Twitter @CEDSI_India Follow us on Instagram @cedsi_india Follow us on linkedin Cedsi dairy COE

Centre of Excellence for Dairy Skills in India

Join Our Membership Drive and Get Benefits of

- Platform to interact with other members in the sector
- Networking opportunities with corporate leaders and government authorities
- Special costs of training in Skill India Certified Programmes
- Access to our Journal and Publications
- Expert advice in day-to-day operations and management of livestock /farm productions
- Free registration on the job portal and regular updates on job vacancies in the sector
- Recognize your organization with CEDSI Yearly Awards and Recognition
- Chance to reach across the board through advertising in our press releases, news and articles
- Consultative and advisory services to help members
- Consulting and advisory services to help members
- Periodic e-newsletter for the latest news, govt. announcement and schemes in dairy sectors
- Updates on training programs of CEDSI and access to the training calendar

Who Can Become a Member -

Corporates/ Cooperatives | NGO's/CSR Foundations | Dairy Farmers | Students | Professional

www.cedsi.in

17th July 2024

@cedsi_india

CEDSI : रविविंग स्किल्स एंड जनरेटिंग लाइवलीहुड

किसानों/छात्रों/उद्यमियों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डेयरी किसान / उद्यमी
- डेयरी फार्म पर्यवेक्षक
- डेयरी कार्यकर्ता
- पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता
- कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन
- पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक
- पशु चिकित्सा नैदानिक सहायक
- बछड़ा पालन
- कृषि उपकरण तकनीशियन
- डेयरी फार्म अर्थशास्त्र और प्रबंधन
- उद्योग संरेखित प्रमाणन कार्यक्रम (बेरोजगार युवा और छात्र)

एफपीओ उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम

- उत्पाद प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं पर एफपीओ सदस्य अभिविन्यास।
- एफपीओ मार्केट लिंकेज
- एफपीओ शासन
- एफपीओ लेखा

डेयरी कॉरपोरेट्स और सहकारी समितियों के लिए प्रमुख कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- चिलिंग प्लांट तकनीशियन
- बल्क मिल्क कूलर ऑपरेटर
- ग्राम स्तरीय दुग्ध संग्रह केन्द्र पर्यवेक्षक
- दूध परीक्षक
- ग्रीन हाउस गैसों का शमन
- दूध की गुणवत्ता आश्वासन
- मिल्क डिलीवरी बॉय
- दूध खरीद और इनपुट पर्यवेक्षक
- डेयरी उद्योग में अपशिष्ट प्रबंधन
- चारा और चारा प्रबंधन
- स्वच्छ दूध उत्पादन
- निर्णय समर्थन प्रणाली / डेटा विश्लेषिकी

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया